सबगुरु डिजिटल मीडिया प्लेटफार्म
फेसबुक पेज लिंक
https://www.facebook.com/sabgurunews/
वेबसाइट लिंक
https://www.sabguru.com/
यूट्यूब चैनल लिंक
https://www.youtube.com/channel/UCCcLf90UP-prqTinNwqUXZg/
English Article Link:
https://www.sabguru.com/en/the-role-of-dopamine-understanding-the-feel-good-hormone/

SABGURU NEWS

पो.रजि. नं. आरजे/एजे/211/2025-27

PRGI. No. RAJBIL/2023/88629

सबगुरु न्यूज

(राष्ट्रीय द्विभाषीय पाक्षिक)

मो.9887907277 Email ID sabgurunews@gmail.com Website https://www.sabguru.com

सम्पादक - विजय सिंह

खबरों के लिए स्कैन करें

वर्ष 3 | अंक 20 | अजमेर, शुक्रवार 10 अप्रैल 2026 | मूल्य 5 रुपए | पृष्ठ-4

विधानसभा चुनाव : असम, केरल और पुडुचेरी में बम्पर वोटिंग

गुवाहाटी/तिरुवनंतपुरम/पुडुचेरी। असम, केरल तथा केन्द्रशासित प्रदेश पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव में गुरुवार को भारी संख्या में मतदाताओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार असम में 85.46 प्रतिशत, केरल में 78.17 प्रतिशत और पुडुचेरी में 89.87 प्रतिशत मतदान हुआ। मतगणना 4 मई को होगी उसी दिन चुनाव परिणाम आ जाएंगे।

असम और पुडुचेरी में इक्का-दुक्का अप्रिय घटनाओं को छोड़कर मतदान शांतिपूर्ण रहा। केरल में किसी स्थान से अप्रिय घटना की कोई सूचना नहीं है। सभी जगह मतदान सुबह सात बजे शुरू हुआ था। केरल और पुडुचेरी में मतदान समाप्ति का निर्धारित समय शाम छह बजे था, जबकि असम में यह समय सीमा पांच बजे तक की थी। विभिन्न मतदान केन्द्रों पर निर्धारित समय के बाद भी मतदाताओं की कतारें देखी गईं।

असम में 126 सीटों के लिए कुल 722 उम्मीदवार और केरल में 140 सीटों के लिए 890 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। पुडुचेरी में 30 सीटों के लिए 294 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं, जिनमें से 40 महिलाएं हैं। असम में 2.50 करोड़ से अधिक मतदाताओं के लिए कुल 28,205 मतदान केंद्र बनाए गए थे। कुल मतदाताओं में 1.25 करोड़ पुरुष, 1.25 करोड़ से अधिक महिलाएं और 343 उभयलिंगी मतदाता शामिल हैं। असम में मुख्य मुकाबला सत्तारूढ भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के बीच है।

केरल में 30,471 मतदान केंद्र बनाए गए। कुल मतदाताओं की संख्या 2.71 करोड़ से अधिक हैं, जिनमें 1.32 करोड़ पुरुष, 1.39 करोड़ महिलाएं और 273 उभयलिंगी हैं। राज्य में मतदान के दौरान आज एक दुखद घटना सामने आई जब त्रिशूर के एक मतदान केंद्र पर अपना वोट डालने के कुछ ही समय बाद 62 वर्षीय एक मतदाता की तबियत खराब हो गई और उसकी मौत हो गई।केरल में मुख्य मुकाबला सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) और संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के बीच हैं लेकिन भारतीय जनता पार्टी भी यहां जोर आजमाइश कर रही है।

पुडुचेरी में सत्तारूढ़ एआईएनआरसी के संस्थापक-अध्यक्ष और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के प्रमुख एन रंगासामी लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री बनने के लिए जोर आजमाइश कर रहे हैं। इस चुनाव में सत्तारूढ़ राजग और कांग्रेस की अगुवाई वाले इंडिया गठबंधन के बीच सीधी टक्कर है।

पुडुचेरी में मन्नादिपेट विधानसभा क्षेत्र के थिरुकन्नूर के मतदान केंद्र पर कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी कार्यकताओं के बीच हुई झड़प हुई और पुलिस को दोनों दलों के कार्यकताओं को तितर-बितर करने के लिए लाठी चार्ज करना पड़ा। इस सीट पर गृह मंत्री ए नमशिवायम का मुकाबला कांग्रेस के पूर्व उपाध्यक्ष सेल्वम से है।प्रदेश में कुल 9.44 लाख मतदाता के लिए 1,099 मतदान केंद्र बनाए गए थे। इनमें से 209 केंद्रों को संवेदनशील और पांच को अति-संवेदनशील बताया गया था। कुल मतदाताओं में से लगभग 4.43 लाख पुरुष, पांच लाख महिलाएं और 139 उभयलिंगी मतदाता हैं।

जेजेएम घोटाले के आरोपी पूर्व आईएएस सुबोध अग्रवाल दिल्ली से अरेस्ट

जयपुर। राजस्थान में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने बहुचर्चित जल जीवन मिशन (जेजेएम) घोटाले में फरार पूर्व भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी सुबोध अग्रवाल को गिरफ्तार कर लिया हैं।

एसीबी के पुलिस महानिदेशक गोविंद गुप्ता ने गुरुवार को बताया कि सुबोध अग्रवाल को नई दिल्ली से गिरफ्तार किया गया हैं। उन्होंने बताया कि इस मामले में अब तक 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि सुबोध अग्रवाल की गिरफ्तार से पहले इस मामले में चार लोगों की तलाश थी और अब इस मामले में अभी भी तीन लोगों को और गिरफ्तार किया जाना शेष हैं।उन्होंने बताया कि यह करीब 960 करोड़ रुपए के घोटाले का मामला हैं जिसमें टेंडर के लिए फर्जी सर्टिफिकट लगाए गए और अधिकारियों को इसकी जानकारी होने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई। यह सब कुछ फर्मो को ही फायदा पहुंचाने के लिए किया गया जो यह मामला करीब 960 करोड़ रुपए का था।

उन्होंने बताया कि मामले में जाचं चल रही हैं और इस मामले में शेष फरार तीन आरोपियों के खिलाफ स्टेडिंग वारंट जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि इस मामले में गत 17 फरवरी से गिरफ्तार करना शुरू किया गया था।

ममता बनर्जी ने अपने हलफनामे में कोई अचल संपत्ति घोषित नहीं की

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को अपने चुनावी हलफनामे में उनके पास कोई अचल संपत्ति नहीं होने और लगभग 75,000 रुपए नकदी के साथ ही दो बैंक खातों में 12 लाख रुपए से कुछ ज्यादा जमा होने की घोषणा की हैं। बनर्जी ने आज भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र से तृणमूल कांग्रेस की उम्मीदवार के तौर पर अपना नामांकन दाखिल किया।बनर्जी के चुनावी हलफनामे के अनुसार पांच साल पहले की तुलना में उनकी कुल संपत्ति में कमी आई है। उन्होंने अपने पास 75,700 रुपए नकद और दो बैंक खातों में 12,76,209 रुपए जमा होने की घोषणा की है, जिससे उनकी कुल चल संपत्ति 15,37,509 रुपए हो गई है।हलफनामे में मुख्यमंत्री के नाम पर कोई घर, वाहन या कोई अचल संपत्ति पंजीकृत नहीं है, और उन्होंने अपनी देनदारियां भी शून्य घोषित की हैं। इसकी तुलना में उनके 2021 के हलफनामे में उनके पास 69,255 रुपए नकद और बैंक जमा के रूप में 13,53,356 रुपए दिखाए गए थे, साथ ही नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट में 18,490 रुपए का निवेश भी दिखाया गया था। उस समय उनकी कुल चल संपत्ति 16,72,352 रुपए थी, जो पांच वर्षों में 1,34,843 रुपए की गिरावट को दशार्ता है।हालांकि, उनके सोने के गहनों का मूल्य, जिनका वजन 9 ग्राम और 750 मिलीग्राम है, 2021 में 43,837 रुपये से बढ़कर अब 1.45 लाख रुपए हो गया है। साल 2021 की घोषणा के अनुसार बनर्जी का कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है; उनके खिलाफ कभी कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं हुई है और न ही किसी मामले में उन पर कोई आरोप तय किया गया है।हलफनामे से पता चलता है कि बनर्जी 2021 के विधानसभा चुनाव में नंदीग्राम से भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी से हार गई थीं। साल 2021 में नंदीग्राम में हार के बाद बनर्जी भवानीपुर से उपचुनाव जीतकर विधानसभा में वापस लौटीं। यह सीट शोभनदेव चट्टोपाध्याय ने खाली की थी, जिन्होंने बाद में खरदह से जीत हासिल की।बनर्जी एक बार फिर भवानीपुर से चुनाव लड़ रही हैं, जबकि चट्टोपाध्याय को बालीगंज से मैदान में उतारा गया है। इस मुकाबले में बनर्जी और अधिकारी के बीच एक बार फिर आमना-सामना होने की उम्मीद है। भाजपा ने उन्हें नंदीग्राम और भवानीपुर, दोनों सीटों से उम्मीदवार बनाया है। अधिकारी ने अपना नामांकन पहले ही दाखिल कर दिया था।बनर्जी ने अपने पेशे के तौर पर राजनीति और समाज सेवा को बताया है, और उनकी आय के स्रोतों में रॉयल्टी और बैंक से मिलने वाला ब्याज शामिल है।

अधिवक्ता आलोक कुमार ने गोवा स्थित सनातन संस्था के रामनाथी आश्रम का दौरा किया

आगामी 10 वर्षों में काशी और मथुरा मुक्त होंगे

फोंडा (गोवा)। काशी और मथुरा जैसे धार्मिक स्थलों के तथ्य और प्रमाण पूरी तरह से हिंदुओं के पक्ष में हैं। अदालतों में इस संबंध में कानूनी लड़ाई जारी है। एक अधिवक्ता के रूप में, मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि जिस प्रकार अयोध्या का श्रीराम मंदिर मुक्त हुआ, उसी प्रकार अगले 10 वर्षों में काशी और मथुरा भी मुक्त हो जाएंगे।यह स्पष्ट प्रतिपादन विश्व हिंदू परिषद के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष अधिवक्ता आलोक कुमार ने किया। वे विश्व हिंदू परिषद के संत दर्शन और संवाद अभियान के अंतर्गत गोवा के रामनाथी, फोंडा स्थित सनातन संस्था के आश्रम के दौरे पर थे, जहाँ आयोजित एक सत्कार समारोह में उन्होंने यह बात कही।

आने वाली शताब्दी हिंदुओं की होगी

अधिवक्ता आलोक कुमार ने आगे कहा कि आने वाली शताब्दी हिंदुओं की होगी। पहले यह रूस की थी, वर्तमान में अमरीका की है; लेकिन अब वह समाप्त हो रही है। किसी भी शताब्दी का परिवर्तन आमतौर पर उसके 30वें से 40वें वर्ष में होता है। उसके अनुसार, अब आने वाली शताब्दी हिंदू धर्म और भारत की होगी। इसका प्रत्यक्ष दृश्य भी दिखाई दे रहा है। देशभर में सभी छोटे-बड़े हिंदू संगठन अपने-अपने स्तर पर हिंदू धर्म के लिए कार्य कर रहे हैं।विहिप द्वारा घर वापसी का कार्य भी व्यापक स्तर पर चल रहा है। वर्तमान में परिवारों में पहले जैसे संस्कार नहीं मिल रहे हैं और परिजनों के बीच संवाद कम होने से पारिवारिक मूल्यों की हानि हो रही है। इसे पहचानते हुए विहिप पारिवारिक संवाद बढ़ाने के लिए भी उपक्रम चला रही है। हम वेदों का भी प्रचार-प्रसार कर रहे हैं।

विहिप का कार्य स्थूल में है, तो सनातन का कार्य सूक्ष्म में

सनातन संस्था की प्रशंसा करते हुए अधिवक्ता आलोक कुमार ने कहा कि सूक्ष्म जगत का अध्ययन और मार्गदर्शन करना सनातन संस्था की विशेषता है। इस कार्य को करते हुए परब्रह्म के साथ एकाकार होने की सीख यहां दी जाती है। विश्व हिंदू परिषद प्रत्यक्ष (स्थूल) जगत में कार्य करने वाला संगठन है, जबकि सनातन संस्था का कार्य सूक्ष्म जगत से संबंधित है।इस अवसर पर विहिप कोंकण प्रांत के प्रमुख परशुराम दुबे, विहिप गोवा प्रमुख प्रवास नाईक, विभाग मंत्री मोहन आमशेकर, महाराष्ट्र और गोवा राज्य के धार्मिक विभाग प्रमुख संजय मुरदाळे, सनातन संस्था के प्रबंधकीय ट्रस्टी वीरेंद्र मराठे, सनातन के संत पूजनीय पृथ्वीराज हजारे और सनातन संस्था के राष्ट्रीय प्रवक्ता चेतन राजहंस सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। चेतन राजहंस ने आलोक कुमार को आश्रम में चल रहे राष्ट्र और धर्म के कार्यों की विस्तृत जानकारी दी।इस दौरान वीरेंद्र मराठे ने अधिवक्ता आलोक कुमार को शाल, श्रीफल और सनातन के ग्रंथ भेंट कर सम्मानित किया साथ ही अन्य गणमान्य अतिथियों का भी सत्कार किया गया।

सम्पादकीय

पश्चिम बंगाल में फिर से दिखेगा हाई वोल्टेज ड्रामा, कौन जीतेगा सबसे बड़ी टक्कर?

शुभेंदु अधिकारी वही नेता हैं जिन्होंने 2021 में नंदीग्राम सीट पर ममता बनर्जी को बेहद करीबी मुकाबले में हराया था। उस चुनाव में ममता बनर्जी ने केवल एक सीट से चुनाव लड़ा था और हार के बाद उन्हें भवानीपुर से उपचुनाव जीतकर विधानसभा में वापसी करनी पड़ी थी।पश्चिम बंगाल की राजनीति एक बार फिर दो दिग्गज नेताओं के आमने सामने आने से बेहद दिलचस्प मोड़ पर पहुंच गई है। विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बीच यह मुकाबला केवल चुनावी लड़ाई नहीं बल्कि राजनीतिक इतिहास, व्यक्तिगत संबंधों और सत्ता की रणनीति का गहरा टकराव बन चुका है। पश्चिम बंगाल में होने जा रहे विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने शुभेंदु अधिकारी को न केवल नंदीग्राम बल्कि भवानीपुर से भी उम्मीदवार बनाकर एक बड़ा राजनीतिक संदेश दिया है।शुभेंदु अधिकारी वही नेता हैं जिन्होंने 2021 में नंदीग्राम सीट पर ममता बनर्जी को बेहद करीबी मुकाबले में हराया था। उस चुनाव में ममता बनर्जी ने केवल एक सीट से चुनाव लड़ा था और हार के बाद उन्हें भवानीपुर से उपचुनाव जीतकर विधानसभा में वापसी करनी पड़ी थी। लेकिन इस बार स्थिति अलग है। भाजपा ने शुभेंदु को दो सीटों से मैदान में उतारकर ममता बनर्जी को सीधी चुनौती दी है कि मुकाबला बराबरी का ही नहीं बल्कि अधिक आक्रामक होगा।भाजपा की पहली सूची में 144 उम्मीदवारों के बीच शुभेंदु अधिकारी का नाम दो सीटों पर होना यह दशार्ता है कि पार्टी उन्हें इस चुनाव का सबसे महत्वपूर्ण चेहरा मान रही है। यह कदम भाजपा के लिए असामान्य जरूर है, लेकिन इससे पहले नरेंद्र मोदी भी 2014 में दो सीटों से चुनाव लड़ चुके हैं। इससे साफ है कि पार्टी शुभेंदु को बड़े नेतृत्व के रूप में स्थापित करना चाहती है।नंदीग्राम और भवानीपुर दोनों सीटों का महत्व अलग अलग है। नंदीग्राम ग्रामीण क्षेत्र है जहां शुभेंदु की मजबूत पकड़ मानी जाती है, जबकि भवानीपुर को ममता बनर्जी का गढ़ माना जाता है। यहां से वह लंबे समय से जीतती रही हैं। हालांकि हाल के मतदाता सूची संशोधन में बड़ी संख्या में नाम हटाए जाने से यह सीट अब पहले जैसी सुरक्षित नहीं मानी जा रही है।इस चुनावी रणनीति का एक उद्देश्य ममता बनर्जी पर दबाव बनाना भी है। भाजपा चाहती है कि वह भवानीपुर में अधिक समय दें और अन्य क्षेत्रों में उनका प्रचार सीमित हो जाए। दूसरी ओर तृणमूल कांग्रेस भी नंदीग्राम में मजबूत उम्मीदवार उतारकर शुभेंदु को चुनौती देने की तैयारी में है। यदि ममता बनर्जी दोनों सीटों से चुनाव लड़ती हैं तो यह मुकाबला और भी रोमांचक हो जाएगा।

हम आपको बता दें कि शुभेंदु अधिकारी और ममता बनर्जी का संबंध कभी बेहद करीबी हुआ करता था। वर्ष 2007 के नंदीग्राम आंदोलन में दोनों साथ थे, जिसने वाम मोर्चा सरकार के पतन की नींव रखी थी। उस समय शुभेंदु एक उभरते हुए नेता थे और ममता बनर्जी के भरोसेमंद सहयोगी माने जाते थे। 2011 में जब तृणमूल कांग्रेस सत्ता में आई तो शुभेंदु की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रही।शुभेंदु का राजनीतिक सफर तेजी से आगे बढ़ा। वह सांसद बने, मंत्री बने और संगठन में मजबूत पकड़ बनाई। एक समय उन्हें पार्टी का दूसरा सबसे प्रभावशाली नेता माना जाता था। लेकिन समय के साथ मतभेद बढ़े। पार्टी में अन्य नेताओं की बढ़ती भूमिका और निर्णय प्रक्रिया से असंतोष के कारण उन्होंने तृणमूल कांग्रेस छोड़ दी और भाजपा में शामिल हो गए।यहीं से दोनों नेताओं के बीच कड़वी प्रतिद्वंद्विता की शुरूआत हुई। 2021 का नंदीग्राम चुनाव इस टकराव का पहला बड़ा उदाहरण था जिसमें शुभेंदु ने ममता को हराकर अपनी राजनीतिक ताकत साबित की। अब 2026 में वही संघर्ष एक नए रूप में सामने है, जहां एक ओर शुभेंदु अपनी जीत को दोहराने और विस्तार देने की कोशिश में हैं, वहीं ममता अपने गढ़ को बचाने के साथ-साथ राजनीतिक प्रतिष्ठा की लड़ाई लड़ रही हैं।राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, दो सीटों से चुनाव लड़ना शुभेंदु के लिए अवसर और जोखिम दोनों है। यदि वह ममता बनर्जी को फिर से पराजित करते हैं और भाजपा सत्ता में आती है, तो उन्हें मुख्यमंत्री पद का प्रमुख दावेदार माना जा सकता है। लेकिन यदि उनकी हार होती है तो इसका उनके राजनीतिक भविष्य पर नकारात्मक असर भी पड़ सकता है।

BCCI ने नए नियमों में IPL के बेंच पर बैठे खिलाड़ियों की आवाजाही पर रोक लगाई

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने यह नियम बनाया है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच के दौरान बेंच पर बैठे सभी खिलाड़ियों को मैदान में घूमने की इजाजत नहीं होगी। अतिरिक्त खिलाड़ियों को भी मैदान में तब तक आने की अनुमति नहीं है, जब तक कि वे टीम शीट में मैनेजमेंट द्वारा नामित 16 खिलाड़ियों में शामिल न हों। यह मैच खेलने की शर्तों (एमपीसी) में किया गया सबसे नया बदलाव है, जिन्हें पहले ही टीमों के साथ साझा किया जा चुका था।

इस नए बदलाव का सटीक कारण अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन हाल ही में बीसीसीआई और आईपीएल मैनेजमेंट ने टीम मैनेजरों को निर्देश जारी किए हैं कि सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी, जो नामित 16 खिलाड़ियों का हिस्सा नहीं हैं, वे ड्रिंक्स, बैट लेकर या कोई संदेश देने के लिए मैदान में प्रवेश नहीं कर सकते।

इसके अलावा, बिब पहने हुए पांच से ज्यादा खिलाड़ी बाउंड्री रोप के आस-पास नहीं घूम सकते। ये पांच खिलाड़ी या तो नामित 16 खिलाड़ियों में से हो सकते हैं या फिर बाकी स्क्वॉड में से, लेकिन किसी भी समय इनकी संख्या पांच से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। आमतौर पर, इन्हें ड्रिंक्स ले जाते हुए या बाउंड्री पर गई गेंदों को वापस लाते हुए देखा जाता है।

कई टीम सूत्रों ने बताया कि हमें हाल ही में निर्देश मिले हैं कि मैच के दौरान सभी सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी मैदान में घूम नहीं सकते। उन्हें मैदान में ड्रिंक्स ले जाने की भी अनुमति नहीं है। मैच के लिए टीम में नामित केवल 16 खिलाड़ी ही ऐसा कर सकते हैं। इसके अलावा, प्लेइंग क से बाहर के केवल पांच खिलाड़ी ही मैदान में घूम सकते हैं। बाकी खिलाड़ी डगआउट में बैठ सकते हैं, लेकिन बाउंड्री लाइन और एलईडी विज्ञापन बोर्ड के बीच घूम नहीं सकते। आमतौर पर एक स्क्वॉड में 25 तक खिलाड़ी होते हैं, जिनमें से 16 खिलाड़ियों के नाम मैच की टीम शीट में शामिल किए जाते हैं।

यह नया नियम एमपीसी की मौजूदा दो संबंधित धाराओं 11.5.2 और 24.1.4 को और अधिक सख्ती से लागू करने के लिए बनाया गया है। खेल की शर्तों के क्लॉज 11.5.2 में लिखा है कि किसी भी खिलाड़ी को बाउंड्री के किनारे या विकेट गिरने पर मैदान के अंदर ड्रिंक दी जा सकती है, बशर्ते कि खेल का कोई समय बर्बाद न हो। अंपायरों की अनुमति के बिना मैदान पर कोई अन्य ड्रिंक नहीं ले जाई जाएगी। मैदान पर ड्रिंक ले जाने वाले किसी भी खिलाड़ी को उचित क्रिकेट पोशाक पहननी होगी (बिब्स पहनने की शर्त के अधीन)-क्लॉज में दिए गए नोट को देखें।क्लॉज 24.1.4 कहता है कि फील्डिंग या बैटिंग टीम के जो सदस्य मैच में नहीं खेल रहे हैं और जो सब्स्टीट्यूट फील्डर के तौर पर काम नहीं कर रहे हैं, उन्हें खेल के मैदान पर (बाउंड्री और बाहरी बाड़ के बीच के क्षेत्र सहित) रहते हुए टीम ट्रेनिंग बिब पहनना जरूरी होगा।

स्वयंभू बाबा अशोक खरात के खिलाफ 11 और महिलाओं ने दर्ज कराई शिकायत

मुंबई। स्वयंभू बाबा अशोक खरात के मामलों में अधिकारियों की ओर से की गई सार्वजनिक अपील के बाद 11 और महिलाओं ने पुलिस से संपर्क कर उसके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है।

मिली जानकारी के अनुसार इन नए मामलों की किसी भी पीड़िता का वीडियो लीक या वायरल नहीं हुआ है, हालांकि उन्होंने आरोप लगाया है कि खरात ने ऊर्जा और मन-शरीर उपचार के अनुष्ठानों के बहाने उनका यौन शोषण किया।इन ताजा शिकायतों के साथ खरात के खिलाफ दर्ज मामलों की कुल संख्या अब 19 तक पहुंच गई है। पुलिस पहले से ही यौन शोषण के आठ मामलों की जांच कर रही है। इन 11 महिलाओं ने बताया है कि 2018 से वे खरात के जाल में फंसी हुई थीं। अब न्याय की गुहार लगाने के लिए आगे आई हैं।वीडियो साक्ष्य न होने के बावजूद पीड़ितों ने कहा है कि खरात ने उनका शोषण करने के लिए अन्य तकनीकी

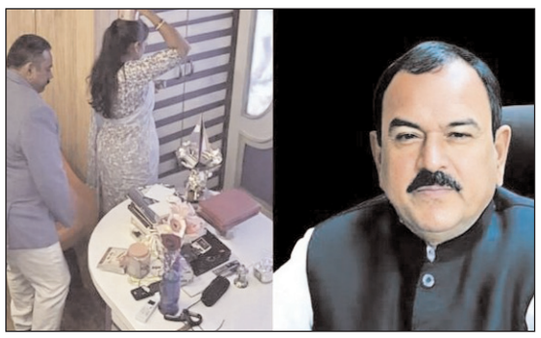

साधनों और जबरदस्ती का इस्तेमाल किया। सूत्रों ने खुलासा किया कि इनमें से कई महिलाएं सामाजिक कलंक और बदनामी के डर से अब तक चुप थीं। जांच टीम की अपील के बाद उन्होंने आधिकारिक शिकायत दर्ज कराने का साहस जुटाया है।

HPCL की राजस्थान रिफाइनरी की लागत बढ़ी, जुलाई में शुरू होगी

8,962 करोड़ रुपए की और शेयर पूंजी डालने को मंजूरी

नई दिल्ली। सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनी हिंदुस्तान पेट्रोलियम द्वारा राजस्थान में स्थापित की जा रही एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड की अनुमानित लागत में वृद्धि के साथ उसमें कंपनी की ओर से 8,962 करोड़ रुपए के अतिरिक्त शेयर पूंजी निवेश के प्रस्ताव को बुधवार को मंजूरी दी।बालोतरा जिले के पचपदरा में एचपीसीएल और राजस्थान सरकार के बीच 74:26 प्रतिशत की भागीदारी के साथ लगाए जा रहे इस 90 लाख टन वार्षिक क्षमता के विशाल पेट्रोलियम शोधन कारखाने की परियोजना लागत को संशोधित कर 79,459 करोड़ रुपए कर दिया गया है। पहले इस पर 43,129 करोड़ रुपए की लागत आने का अनुमान था। इसमें पेट्रोरसायनों की विनिर्माण क्षमता 24 लाख टन वार्षिक होगी। योजना के अनुसार इस परियोजना को इस वर्ष जुलाई के शुरू में वाणिज्य रूप से चालू किया जाना है।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडल समिति ने एचआरआरएल की संशोधित लागत और उसमें एचपीसीएल की शेयर पूंजी बढ़ाने के प्रस्ताव को बताया कि हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉपोर्रेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) की ओर से इस परियोजना में 8,962 करोड़ रुपए के अतिरिक्त इक्विटी निवेश को मंजूरी दी गई है। इसके बाद उसमें एचपीसीएल का कुल इक्विटी (शेयर पंजी) निवेश 19,600 करोड़ रुपये हो जाएगा।मंत्री ने कहा कि एचआरआरएल रिफाइनरी एक बहुत ही जटिल है जिसमें डीजल, पेट्रोल के अतिरिक्त 26 प्रतिशत से अधिक क्षमता का उपयोग पेट्रोरसायनों के उत्पादन के लिए किया जाना है। इस काराखने के बन कर तैयार जो जाने पर इसमें सालाना 10 लाख टन पेट्रोल, 40 लाख टन डीजल के उत्पादन के साथ, 10 लाख टन पॉलीप्रोपाइलीन, पांच लाख टन लीनियर लो डेंसिटी पॉलीइथिलीन, पांच लाख टन हाई डेंसिटी पॉलीइथिलीन और लगभग चार लाख टन बेंजीन, टोल्यूनि और ब्यूटाडीन तैयार किया जा सकेगा।ये सभी उत्पाद परिवहन, फार्मा, पेंट्स, पैकेजिंग इंडस्ट्रीज वगैरह जैसे क्षेत्रों और औद्योगिक जरूरतों में काम आएंगे। सरकार का कहना है कि यह परियोजना ऊर्जा के क्षेत्र में आत्म निर्भरता को मजबूत करेगी और पेट्रो रसायन क्षेत्र में आयात पर निर्भरता कम होगी।वैष्णव ने कहा कि यह परियोजना राजस्थान के एक पिछड़े इलाके औद्योगीकरण में सहायक होगी, इसमें स्थानीय मंगला पेट्रोलियम तेल प्रखंड के कच्चे तेल का इस्तेमाल किया जाएगा ।

रिलायंस रिटेल दुनिया की बनी 7वीं सबसे बड़ी स्टार्टअप कंपनी

नई दिल्ली। रिलायंस रिटेल दुनिया की सबसे मूल्यवान निजी स्टार्टअप कंपनियों की वैश्विक सूची में सातवें स्थान पर पहुंच गई है।स्टैनफर्ड ग्रैजुएट स्कूल ऑफ बिजनेस की रिपोर्ट के अनुसार 100 अरब डॉलर से अधिक मूल्यांकन के साथ कंपनी ने यह उपलब्धि हासिल की है। पहली 100 मूल्यवान स्टार्टअप कंपनियों की सूची में तीन भारतीय कंपनियां शामिल हैं। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज 24 अरब डॉलर के मूल्यांकन के साथ 27वें और टाटा ईवी मोबिलिटी नौ अरब डॉलर के मूल्यांकन के साथ 93वें स्थान पर है।रिपोर्ट के मुताबिक, सबसे ताजा निवेश को शामिल करते हुए रिलायंस रिटेल हेक्टाकॉर्न बन गयी है जिसका अर्थ है कि उसका मूल्यांकन 100 अरब डॉलर से अधिक हो गया है। इस सूची में रिटेल सेक्टर की कंपनियों में वह सबसे ऊपर है।रिलायंस रिटेल में कतर इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी, अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी, केकेआर, सिल्वरलेक, जीआईसी, टीपीजी और मुबाडाला जैसे प्रमुख वैश्विक निवेशकों ने निवेश किया है। निवेशकों द्वारा आंकी गयी कंपनी की कीमत को ही रैकिंग का प्रमुख आधार माना गया है। सूची जनवरी 2026 तक के आंकड़ों पर आधारित है।पहले तीन स्थान पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) क्षेत्र की कंपनी ओपनएआई, एलन मस्क की स्पेसएक्स और एंथ्रोपिक शामिल हैं। इससे पता चलता है कि निवेश पाने के मामले में टेक और एआई कंपनियों का दबदबा बढ़ रहा है।शीर्ष 100 की इस सूची में अमेरिका की 65 कंपनियां हैं। चीन की 21 और भारत तथा ब्रिटेन की तीन-तीन कंपनियों ने सूची में जगह बनाई है। रिपोर्ट के अनुसार, शीर्ष तीन कंपनियां ओपनएआई, स्पेसएक्स और एंथ्रोपिक का मूल्यांकन सूची में शामिल सभी 100 कंपनियों के मूल्यांकन के एक-तिहाई के करीब है।

ब्रह्मा जी की नगरी में 171 अरब हस्तलिखित श्रीराम नाम महामंत्रों की सतत परिक्रमा आरंभ

तीर्थराज पुष्कर में राम नाम धन संग्रह बैंक बना आस्था का केन्द्र, 24 घंटे खुला रहेगा श्री रामनामालय, कभी भी कर सकेंगे परिक्रमा

अजमेर/पुष्कर। हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर तीर्थराज पुष्कर में भगवान राम के प्रति आस्था और राम भक्त हनुमान की भक्ति का अद्भुत संगम हुआ। मौका था पंच पीपली के पास सुधाबाय रोड स्थित श्रीराम नामालय में 171 अरब हस्तलिखित श्रीराम नाम महामंत्रों की अनवरत परिक्रमा के शुभारंभ का। गुरुवार को संत महात्माओं के चरणकमलों व आशीर्वाद के साथ सैकडों राम रामभक्तों की मौजूदगी और श्रीरामनाम परिक्रमा समारोह समिति के तत्वावधान में सतत परिक्रमा का शुभारंभ हुआ। अब राम भक्त साल के 365 दिन, दिन के 24 घंटे में कभी भी परिक्रमा कर सकेंगे।इस भव्य आयोजन में हरिद्वार के महामंडलेश्वर स्वामी प्रखर जी महाराज का मुख्य आतिथ्य प्राप्त हुआ। निर्मलधाम के महंत डॉ. रामेश्वरानंद, नांद गोशाला के महंत समताराम जी, डोडियाना पीठ सांवरिया सेठ के महंत शत्रुघ्नदास जी महाराज, शांतानंद उदासीन आश्रम के महंत हनुमानराम जी तथा नृसिंह मंदिर अजमेर के महंत श्याम सुंदर शरण सहित अनेक संत-महात्माओं का भी सान्निध्य मिला। संतों का पूरन सिंह चौहान, पंडित बाल कृष्ण पुरोहित, कंवल प्रकाश किशनानी, सत्यनारायण भंसाली, महेन्द्र जैन मित्तल ने शॉल ओढाकर तथा स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मान किया।

भक्ति से मृत्यु नहीं होती बल्कि मोक्ष मिलता है : प्रखर जी महाराज

हरिद्वार महामण्डेश्वर के परम पूज्य स्वामी प्रखर जी महाराज ने कहा कि राम केवल एक नाम नहीं, बल्कि मानव जीवन को दिशा देने वाला मंत्र है, जो व्यक्ति के जीवन को संवारने के साथ-साथ आत्मा को परमात्मा से जोड़ने का माध्यम बनता है। संतों के अनुसार राम में निहित ह्यरङ्ग, ह्यआङ्ग और ह्यमङ्ग अक्षर जीवन में प्रेम, शक्ति और शांति का संचार करते हैं। उन्होंने कलयुग केवल नाम अधारा चौपाई की व्याख्या करते हुए कहा कि कलयुग में राम नाम ही सबसे बड़ा सहारा है।उन्होंने कहा कि पुष्कर जैसी पवित्र भूमि, जहां सृष्टि के रचयिता ब्रह्मा विराजमान हैं, वहां इस प्रकार के आध्यात्मिक कार्य का आयोजन अत्यंत गौरवपूर्ण है। उन्होंने कहा कि ठाकुर जी का एक बार नाम लेने से मंगल हो जाता है। ऐसे में 171 अरब राम नाम महामंत्रों की परिक्रमा तो महामंगलकारी होगी।रामनाम जप इस भव सागर को पार लगाने वाला है। ठाकुर जी का नाम ही परम औषधि है। ठाकुरजी की भक्ति से मृत्यु नहीं होती बल्कि मोक्ष मिलता है। सबके भीतर भक्ति है बस इसके द्वार को खोल लेवें। यह सृष्टि बहुत सुंदर है, संसार लुभावना है, तो बनाने वाला कितना सुंदर होगा। उसे खोजने का मार्ग भक्ति है।उन्होंने कहा कि हर तीर्थ की अलग अलग महत्ता है। तीर्थ भगवान के मंगल रूप होते हैं। ये हमें ऊर्जा देते हैं। तीर्थ सिर्फ भारत की धरा पर हैं। भगवान के चरण पड़ने से ये धरती पावन और महान है। यहां जन्म दुर्लभ है। हमें पुण्यफलों की बदौलत जन्म मिला है तो मोक्ष के लिए जीवन को जिएं। मानव जीवन को सफल बनाएं। भारत देश की मयार्दा भिन्न है। यहां विविधता में एकता है। भगवान भी यहां जन्म लेकर मयार्दा में रहे। राम नाम धन संग्रह बैंक अलौकिक है। यह अनन्तकाल तक सनातनियों की आस्था का केन्द्र रहेगा।

राष्ट्र और धर्म के लिए कष्ट सहने वाला सनातनी : महंत श्याम सुंदर

नृसिंह मंदिर के महंत श्याम सुंदर ने कहा कि हनुमान जी महाराज की कृपा और राम नाम धन संग्रह बैंक के प्रयासों से अरबों राम नाम की अनवरत परिक्रमा का यह कार्य प्रारंभ हो रहा है। उन्होंने कहा कि हनुमान जी भक्ति, शक्ति और ज्ञान के प्रतीक हैं। उनके आदर्शों को अपनाकर हम जीवन सफल बना सकते है। पवित्र काम में भागीदारी ठाकुर जी की कृपा से मिलती है। अपने धर्म और राष्ट्र के लिए काम करना ही सनातन है। सनातन और राष्ट्र की सेवा पुण्य का काम है। हम धर्म की रक्षा करेंगे धर्म हमारी रक्षा करेगा। उन्होंने कहा कि हमें संस्कारों को सुरिक्षित रखना है। आंतकवाद, असमानता का मिटाना है। राष्ट्र और धर्म के लिए जो कष्ट सहता है वही सनातनी है।

जीवन में धर्म व राष्ट्र सेवा के मार्ग पर चलें : रामेश्वरानंद जी

निर्मलधाम पुष्कर के महंत डॉ. रामेश्वरानंद जी ने हनुमान जी महाराज एवं प्रभु श्रीराम के प्रति अपनी आस्था व्यक्त करते हुए कहा कि उनके जीवन में कई ऐसे प्रसंग आए, जहां हनुमान जी की कृपा से असंभव कार्य भी संभव हुए। उन्होंने बचपन के संस्कारों का उल्लेख करते हुए बताया कि उनकी दादी रामभक्ति से जुड़ी थीं, जिससे उनके जीवन में भक्ति की नींव पड़ी। उन्होंने एक विदेश यात्रा का उदाहरण देते हुए कहा कि विपरीत परिस्थितियों में हनुमान जी का स्मरण मात्र करने से सभी बाधाएं दूर हो गईं। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि वे राम नाम का जप करें और जीवन में धर्म व राष्ट्र सेवा के मार्ग पर चलें।

पुण्य कर्म का फल धरा पर, हरि भजन परलोक में फलीभूत : महंत हनुमान राम

श्री शांतानंद उदासीन आश्रम पुष्कर के महंत हनुमान राम साई से कहा कि पुष्कर की पावन भूमि पर राम नाम धन संग्रह बैंक के मुख्यालय में श्रीराम नाम महामंत्रों की परिक्रमा का अवसर उपलब्ध कराना अत्यंत पुण्यदायी कार्य है। यह पहल समाज में आध्यात्मिक चेतना जागृत करने का माध्यम बनेगी। उन्होंने कहा कि हनुमान जी महाराज की भक्ति और प्रभु श्री राम के नाम का निरंतर स्मरण जीवन के सभी संकटों को दूर करता है। उन्होंने आह्वान किया कि सभी राम नाम को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएं। इतने राम नाम जपना और लिखना एक प्राणी के लिए संभव नहीं। ऐसे में इनकी परिक्रमा कर पुण्य लाभ लेने से वंचित ना रहें। उन्होंने कहा कि पुण्य कर्म इस धरा पर काम आते है और हरि भजन परलोक में फलीभूत होते है।

राष्ट्र को गौरवमयी बनाने के लिए भी कार्य करें : महंत धीरजराम

रामस्नेही आश्रम के महंत धीरजराम जी ने कहा कि अरबों हस्तलिखित श्रीराम नाम महामंत्रों की परिक्रमा का आरंभ होना आध्यात्मिक जागरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। खासकर बूढा पुष्कर और पुष्कर के बीच संगम स्थल पर राम नाम का विराजित होना सौभाग्य की बात है। राम नाम धन संग्रह बैंक के इस प्रयास से समाज में नकारात्मकता नष्ट होगी तथा भक्ति, शांति और सकारात्मक ऊर्जा का प्रसार होगा। धर्म कार्य के साथ ही हम राष्ट्र को गौरवमयी बनाने के लिए भी कार्य करें।

कलयुग में राम नाम ही भवसागर से तारने वाला : महंत समताराम

नांद गोशाला के महंत समताराम जी महाराज ने आत्मा से परमात्मा बनने की यात्रा को जीवन का सर्वोच्च उद्देश्य बताते हुए कहा कि इस दिव्य यात्रा के आज हम सभी साक्षी बन रहे हैं। राम नाम की महिमा अनंत है। राम नाम मानव जीवन को ठीक करता है जगत पिता की गोद में राम नाम धन का स्थापित होना इस तीर्थ की महत्ता को बढाएगा। कलयुग में राम से बड़ा राम नाम बताया गया है। राम नाम ही शक्ति है। भगवान का नाम स्व प्रकाशित होता है। राम सुखदायक है, मगलकारी है, दुखों का हरण करने वाला है। राम नाम जपने के साथ लिखना श्रेष्ठ है। कलयुग में राम नाम ही भवसागर से तारने वाला है। बस भक्त की भक्ति हनुमान जी भांति हो। सनातन में भक्त और संत की महत्ता है। मयार्दा में रहे, निंदा से बचें।

सतत परिक्रमा आयोजन को प्रेरणादायक पहल : खाजूलाल चौहान

कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अजमेर महानगर संघचालक खाजूलाल चौहान अपने संबोधन में कहा कि भारत का आध्यात्मिक इतिहास अनादि काल से समृद्ध रहा है और आज भी उसी परंपरा का निर्वाह हो रहा है। उन्होंने पुष्कर में आयोजित इस धार्मिक आयोजन को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि श्रीराम नाम धन संग्रह बैंक को एक पवित्र एवं सतत परिक्रमा आयोजन को प्रेरणादायक पहल बताया। विश्व हिंदू परिषद चित्तौड़ प्रांत के मंत्री कौशल गौड़ ने कहा कि सनातन धर्म से जुडे इस काल खंड में सेवा कार्य हो रहे। आमजन में देश और धर्म के प्रति जागृति आई है। इसके लिए संतों का प्रयास प्रभावकारी रहा है।

इन्होंने बढाई आयोजन की गरिमा

मुख्य अतिथि नरेश मूलचंदानी तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में आनंद अरोड़ा, आनंद सिंह, जितेंद्र खंडेलवाल, देवेंद्र गर्ग, रमेश तापड़िया, रमाकांत बाल्दी, गिरधारी मंगल, हनुमान दयाल बंसल, अनिल आसनानी, संजय गोयल और रमेश मोटवानी रहे। कार्यक्रम के संयोजक मंडल में स्वागत सत्कार समिति कैलाश सिंह भाटी, वृतिका शर्मा, दीपचंद श्रीया, अक्षय जैन, राजेश गर्ग, मुकुल अग्रवाल, प्रचार-प्रसार समिति, विजय मौर्य, रेशु पाराशर, किशन शर्मा गोपाल जादम, उमराव सैनी, मुकेश सोनी की सक्रिय भूमिका रही। वृतिका शर्मा ने मंच संचालन किया। आयोजन समिति ने सभी धर्मप्रेमियों से पुष्कर श्रीराम नामालय में हस्तलिखित 171 अरब श्रीराम नाम महामंत्रों की परिक्रमा कर धर्म लाभ उठाने की अपील की है। परिक्रमा स्थल सदैव खुला रहेगा।

Revolutionizing Indian Fields: A Complete Guide to Kisan Drone Subsidies in 2026

New Delhi | The landscape of Indian agriculture is undergoing a high-tech transformation. With the "Kisan Drone" initiative, the government is not just encouraging modernization; it is financing it. In a year where 90% of India's airspace has been designated as a "Green Zone" for drone flight, farmers now have a golden opportunity to boost yields and reduce labor costs through substantial government subsidies.How to Apply: A Step-by-Step Guide-The application process is centralized but often integrated with state portals like Agridarshan in Uttar Pradesh or MahaDBT in Maharashtra.Portal Registration: Visit the official Agrimachinery Portal. Register using your Aadhaar-linked mobile number.Document Upload: You will need your land records (RoR), bank passbook, a passport-sized photo,

and a GST invoice/quotation from a DGCA-authorized dealer.Selection of Drone: Ensure the drone model has a Type Certificate issued by the DGCA. As of September 2025, GST on agricultural drones has been slashed to 5%, significantly lowering the upfront cost.Verification: The District Agriculture Officer (DAO) will verify your documents and land holdings.Direct Benefit Transfer (DBT): Once approved and the drone is purchased, the subsidy amount is credited directly to your linked bank account.matribhumisamachar.com/en/government-schemesCritical 2026 Updates & Regulatory CorrectioNo Pilot License Needed: In a major relief, the requirement for a traditional commercial pilot license has been replaced by a Remote Pilot Certificate (RPC), which can be obtained after a 15-day training course at any of the 244 DGCA-approved training centers.Digital Sky Integration: All drones above 250g must be registered on the eGCA portal to receive a Unique Identification Number (UIN).Training Support: Under the Namo Drone Didi scheme, the package now includes a 15-day training program, a one-year comprehensive insurance policy, and two years of annual maintenance.

मुंबई एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 पर शॉर्ट सर्किट से लगी आग

मुंबई। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गुरुवार शाम टर्मिनल-1 पर शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई। हवाई अड्डे की संचालक कंपनी अडानी एयरपोर्ट्स के एक प्रवक्ता ने बताया कि आग शाम छह बजकर 10 मिनट के आसपास लगी थी। प्रवक्ता ने बताया कि आपात प्रतिक्रिया दल ने आग पर कुछ ही मिनटों में काबू पा लिया। उन्होंने कहा कि इस घटना का हवाई अड्डे के संचालन पर कोई असर नहीं हुआ। जिस समय यह घटना हुई थी उस समय टर्मिनल-1 पर हजारों की संख्या में यात्री मौजूद थे।

कोटा आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज का नाम बदला

कोटा। राजस्थान में कोटा आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज का नाम अब वैध दाऊदयाल जोशी आयुर्वेदिक मेडिकल कोलेज कोटा कर दिया गया हैं। उपमुख्यमंत्री एवं आयुर्वेद मंत्री डॉ प्रेमचंद बैरवा की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट सब कमिटी की बैठक में बुधवार को यह लिया गया। बैठक में शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर, चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर एवं जन जाति विकास मंत्री बाबू लाल खराड़ी मौजूद थे।

स्थानीय निधि अंकेक्षण की बैठक 21 अप्रेल को

अजमेर। स्थानीय निधि अंकेक्षण विभाग की सम्भागीय प्रशासनिक समिति की बैठक आगामी 21 अप्रेल को सुबह 11 बजे सम्भागीय आयुक्त श्री शक्ति सिंह राठौड़ की अध्यक्षता में सम्भागीय आयुक्त कार्यालय के सभा कक्ष में आयोजित की जाएगी।यह जानकारी स्थानीय निधि अंकेक्षण विभाग की संयुक्त निदेशक रेखा कुमारी ने दी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पुष्कर में शत गायत्री पुरश्चरण महायज्ञ में हुए शामिल

पुष्कर सरोवर पर मुख्यमंत्री ने की पूजा अर्चना

पुष्कर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बुधवार को पुष्कर में आयोजित शत गायत्री पुरश्चरण महायज्ञ कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सपत्नीक यज्ञ प्रदक्षिणा की तथा यज्ञ स्थल पर स्थित गायत्री मंदिर में षोडषोपचार विधि से पूजा अर्चना की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सनातन संस्कृति समूचे विश्व को सुरक्षित एवं संरक्षित रखने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि इस महायज्ञ के माध्यम से सनातन संस्कृति का ज्ञान पूरे विश्व में संचारित होकर मानव कल्याण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। सनातन संस्कृति का ज्ञान भावी पीढ़ी के उत्थान के लिए सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है तथा उन्हें हमारी मौलिक संस्कृति से जोड़ने की महती आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गायत्री पुरश्चरण महायज्ञ जैसे कार्यक्रम भारतवर्ष में सतत तौर पर आयोजित होते रहने चाहिए। उन्होंने महायज्ञ के सफल आयोजन के लिए सभी संत एवं आचार्यों का आभार जताया। इस दौरान मुख्यमंत्री का महायज्ञ आयोजन समिति पदाधिकारीगण की ओर से सनातन एवं संत परंपरा से स्वागत किया गया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री शर्मा ने संत आवास में महायज्ञ के प्रणेता एवं आयोजक प्रखर महाराज एवं संत श्री राघवाचार्य जी का अभिनंदन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके पश्चात उन्होंने जप एवं पाठशाला स्थल के भी दर्शन किए। मुख्यमंत्री शर्मा महायज्ञ स्थल से सीधे पुष्कर सरोवर पहुंचे। उन्होंने विधि विधान से पूजा अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली एवं समृद्धि के लिए कामना की।कार्यक्रम में केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, विधायक शत्रुघ्न गौतम, शंकर सिंह रावत, रामस्वरूप लांबा, वीरेन्द्र सिंह कानावत सहित अन्य सभी जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

श्री राजराजेश्वरी महालक्ष्मी यज्ञ की तैयारियां परवान चढीं

पुष्कर घाटी नौसर माता मंदिर परिसर में बन रही विशेष यज्ञ शाला, 21 कुंडों पर 5 लाख आहुतियां देंगे, श्री सूक्त के 16000 पाठ होंगे

अजमेर। पुष्कर घाटी स्थित प्राचीन श्री नौसर माता मंदिर में 23 अप्रैल से होने वाले श्री राजराजेश्वरी महालक्ष्मी यज्ञ की तैयारियां परवान पर हैं। करीब 250 स्क्वायर फीट की विशेष यज्ञ शाला बनाई जा रही है। यज्ञ में 5 लाख आहुतियां दी जाएंगी साथ ही श्री सूक्त के 16000 पाठ होंगे। राष्ट्र व प्रदेश की आर्थिक सम्पन्नता, आरोग्यता व सक्षमता के लिए यह महायज्ञ किया जा रहा है।मंदिर पीठाधीश्वर रामाकृष्ण देव महाराज के सान्निध्य में होने वाले इस महायज्ञ में बनारस, कोटा और अजमेर के विद्वान अनुष्ठान करवाएंगे। यज्ञ में आचार्य ऋषि के मार्गदर्शन में होगा। करीब 500 किलो शुद्ध देसी घी का उपयोग होगा। एक हजार से अधिक सूखे बिल्व पत्र और यज्ञ सामग्री का उपयोग किया जाएगा।यज्ञ कुंड की लंबाई 50 फीट, चौड़ाई 50 फीट तथा 30 फीट ऊंचाई रखी जाएगी। इसमें एक प्रधान कुंड, 12 चतुष्क कुंड तथा 8 विशेष कुंड होंगे। यज्ञशाला के चारों ओर ध्वज लगाए जाएंगे। यज्ञशाला में मिट्टी और गोबर का लेपन कर इसे तैयार किया जा रहा है। महायज्ञ में प्रतिदिन कई कार्यक्रम होंगे। कुंडों पर आहुतियां देने वाले यजमान समेत श्रद्धालु परिवार सहित सम्मिलित होंगे।

नौसर माता मंदिर पीठाधीश्वर रामाकृष्ण देव महाराज ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात कर दिया महायज्ञ का आमंत्रण।

विभिन्न आयोजनों का समय

महायज्ञ की शुरूआत में 23 अप्रेल को गंगा सप्तमी के दिन कलश यात्रा निकाली जाएगी। शाम 4 बजे बाबा रामदेव मंदिर पुष्कर रोड से कलश यात्रा निकलेगी। यज्ञ स्थल पहुंचने पर ब्राहमण वरण एवं कलश स्थापना होगी। कलश यात्रा के बाद लखनउ की हिमांशु शुक्ला लक्ष्यार्पण नृत्य की प्रस्तुति देंगी।

- 24 अप्रेल को बगलामुखी अष्टमी पर सुबह 8 बजे आवाहित देव पूजन, अग्नि मंथन के साथ सुबह 11 बजे हवन प्रारंभ होगा। अपराहन 3 बजे से संत प्रवचन होंगे। शाम 7:30 बजे श्रीललितासंध्या में पुणे के धवल जोशी बांसुरी, अमन वरखेडकर वायलन और जगमित्र लिंगाडे तबला वादन प्रस्तुति देंगे।
- 25 अप्रैल को सीता नवमी पर सुबह 8 बजे आवाहित देव पूजन तथा 10:30 बजे से यज्ञ आरंभ होगा। शाम 6:30 बजे से भजन संध्या में जगदगुरु श्रीजी महाराज के चरण रज किंकर अशोक तोषनीवाल की प्रस्तुति होगी।
- 26 अप्रैल को दशमी के दिन दोपहर 12:15 बजे महायज्ञ पूणार्हुति और इसके बाद दोपहर 1 बजे यज्ञ महाआरती होगी। संत आशीर्वचन के पश्चात महाप्रसादी दोपहर 2 बजे से आरंभ हो जाएगी। महायज्ञ में अजमेर के अलावा बनारस, लखनऊ, महाराष्ट्र, बड़ोदरा गुजरात, अलवर, जयपुर, इंदौर, मथुरा के यजमान शामिल हो रहे हैं।

जवाई बांध रेलवे स्टेशन का नाम अब सुमेरपुर जवाई बांध

अजमेर/पाली। उत्तर पश्चिम रेलवे अजमेर मंडल के जवाई बांध स्टेशन को अब सुमेरपुर जवाई बांध स्टेशन के नाम से जाना जाएगा। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक मिहिर देव के अनुसार यात्रियों की सुविधा और क्षेत्रीय मांग को ध्यान में रखते हुए सक्षम प्राधिकारी द्वारा जवाई बांध रेलवे स्टेशन के नाम में संशोधन को स्वीकृति प्रदान की गई है। इस संबंध में आधिकारिक परिपत्र जारी किया गया है।स्टेशन के नाम के साथ अब स्टेशन कोड भी खहइ के स्थान पर रखहइ के रूप में बदल दिया गया है। स्टेशन के संशोधित नाम और कोड (SJWB) को रेलवे के सभी डेटाबेस प्रणालियों जैसे पीआरएस और यूटीएस में अपडेट किया जा रहा है।यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू माना जाएगा। भविष्य में सभी आधिकारिक पत्राचार और सूचनाओं के लिए नए नाम सुमेरपुर जवाई बांध का ही उपयोग किया जाएगा।

समाचार भेजने और विज्ञापन हेतु व किसी अन्य जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-

मो. +91 9887907277, 7737385114
Email ID
sabgurunews@gmail.com
अजमेर-6/12बी ब्लॉक हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी पंचशील अजमेर 305001, राज.
जयपुर-D8, गोवर्धन कॉलोनी मोहन मार्ग, विवेक विहार मेट्रो स्टेशन के पास जयपुर 302019, राज.

जम्मू एवं कश्मीर के तीर्थयात्रियों का पुष्कर में स्वागत

पुष्कर। धार्मिक यात्रा पर निकले जम्मू एवं कश्मीर के तीर्थयात्रियों का एक दल गुरुवार को तीर्थराज पुष्कर पहुंचा। इस दल के साथ गणमान्य समाज संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रीतमसिंह सैनी भी पहुंचे।पुष्कर स्थित माली धर्मशाला में गणमान्य समाज संगठन की राष्ट्रीय महिला महासचिव एडवोकेट बबिता टांक, प्रदेश उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र टांक, सदस्य मुरली मनोहर सांखला, प्रियांशु सिंह ने सैनी समेत सभी आगंतुकों का शॉल ओढाकर एवं माला पहनाकर स्वागत किया। सभी तीर्थयात्रियों को आगे की यात्रा के लिए शुभकामना प्रेषित की।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक विजय सिंह ने मुद्रक किशन गुप्ता द्वारा इंडिया ऑफसेट प्रिंटर्स 419 ब्रह्मपुरी, जयपुर रोड से मुद्रित करवाकर कार्यालय 6/12 बी ब्लॉक हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी पंचशील, अजमेर (राज.) से प्रकाशित किया। सम्पादक- विजय सिंह मो. 9887907277 (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अजमेर रहेगा)